PRE- BOARD II 2025-26

CLASS- 10

HINDI

Maximum Marks: 80

Time allowed: Three hours

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of the paper is the time allowed for writing the answer.

--

Section A is compulsory– All questions in Section A must be answered .

Attempt any four questions from Sections B.

SECTION A (40 Marks)

(Attempt all questions from this section)

प्रश्न1-निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:- (15)

(i) ' स्वस्थ जीवन ही सुखी जीवन है ।',स्वस्थ रहने के लिए हास्य ,योगाभ्यास, व्यायाम ,गीत- संगीत और मनोरंजन आदि का काफी योगदान है । इससे आप कहाँ तक सहमत है? अपने विचार एक प्रस्ताव के रूप में व्यक्त कीजिए।

(ii) जीवन में कभी-कभी कुछ परिस्थितियाँ ऐसीआ जाती है जो हमें पुरानी सभ्यता ,परंपरा और नैतिक मूल्यों की तरफ ले जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। ऐसे किसी अनुभव का वर्णन करते हुए एक संक्षिप्त प्रस्तावलिखिए।

(iii) आपकी रेलयात्रा के दौरान आपका परिचय एक शिक्षक ,एक खिलाड़ी और एक अभिनेता से हुआ। उनके साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत हुई। उसका पूरा विवरण प्रस्ताव के रूप में लिखिए।

(iv) एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए, जिसमें आपके जीवन अनुभव से सिद्ध होता हो कि 'डर के आगे जीत है'।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान में देखिए और उसको आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख घटना जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए)

Downloaded From www.iosboard.org

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

(1) आज के बदले हुए समय में पूरी दुनिया तकनीकी माध्यमों को अपनाने की होड़ में लगी हुई है। शिक्षा प्रणाली भी इससे अछूता नहीं है। अब पढ़ाई-लिखाई का काम भी इसी की सहायता से हो रहा है। लेकिन आपका मित्र तकनीकी माध्यमों से पढ़ाई करने में जी चुराता है।उसे पत्र लिखकर तकनीकी माध्यमों तथा ऑनलाइन शिक्षा के महत्व को समझाइए।

(ii) अपने नगर /क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर अपनी नगर/ क्षेत्र में 'खाने- पीने की वस्तुओं में हो रही मिलावट' की घटनाओं के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

प्रश्न3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (10)

(उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए)

सूर्य अस्त हो रहा था। पक्षी चहचहाते हुए अपने नीड़ की ओर जा रहे थे। गाँव की कुछ स्त्रियाँ अपने घड़े लेकर कुएँ पर जा पहुँची। पानी भरकर कुछ स्त्रियाँ तो अपने घरों को लौट गई, परंतु चार स्त्रियाँ पक्की जगह पर बैठकर आपस में बातचीत करने लगीं। तरह -तरह की बातचीत करते-करते बात बेटों पर जा पहुँची। उनमें से एक की उम्र सबसे बड़ी लग रही थी। वह कहने लगी- "भगवान सबको मेरे जैसा ही बेटा दे। वह लाखों में एक है /उसका कंठ बहुत मधुर है। उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है ।सच में मेरा बेटा तो अनमोल हीरा है।"

उसकी बात सुनकर दूसरी अपने बेटे की प्रशंसा करते हुए बोली- "बहन मैं तो समझती हूँ कि मेरे बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता । वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है ।बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है ।वह आधुनिक युग का भीम है। मैं तो भगवान से कहती हूँ कि वह मेरे जैसा बेटा सबको दे ।"

दोनों स्त्रियों की बात सुनकर तीसरी भला क्यों चुप रहती ?वह भी अपने को रोक न सकी ।वह बोल उठी- मेरा बेटा साक्षात् बृहस्पति का अवतार है। वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है ।ऐसा लगता है बहन, मानो उसके कंठ में सरस्वती का वास हो।" तीनों की बात सुनकर चौथी चुपचाप बैठी रही। उसका भी एक बेटा था, परंतु उसने अपने बेटे के बारे में कुछ नहीं कहा। जब पहली स्त्री ने उसे टोकते हुए पूछा कि उसके बेटे में क्या गुण है, तब चौथी स्त्री ने सहज भाव से कहा- "मेरा बेटा न गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति-सा बुद्धिमान।" यह कह कर वह शांत बैठ गई। कुछ देर बाद जब वे घड़े सिर पर रखकर लौटने लगीं, तभी किसी के गीत का मधुर स्वर सुनाई पड़ा, गीत सुनकर सभी स्त्रियाँ ठिठक गईं। पहली स्त्री शीघ्र ही बोल

Downloaded From www.cbseboard.org

उठी- "मेरा हीरा गा रहा है। तुम लोगों ने सुना, उसका कंठ कितना मधुर है।" तीनों स्त्रियाँ बड़े ध्यान से उसे देखने लगीं। वह गीत गाता हुआ उसी रास्ते से निकल गया। उसने अपनी माँ की तरफ ध्यान नहीं दिया।

थोड़ी देर बाद दूसरी का बेटा दिखाई दिया। दूसरी स्त्री ने बड़े गर्व से कहा, देखो मेरा बलवान बेटा आ रहा है। वह बातें कर ही रही थीं कि उसका बेटा भी उसकी ओर ध्यान दिए बगैर निकल गया। "

तभी तीसरी स्त्री का बेटा उधर से संस्कृत के श्लोकों का पाठ करता हुआ निकला। तीसरी ने बड़े गद् गद् स्वर में कहा- "देखो, मेरे बेटे के कंठ में सरस्वती का वास है।" वह भी माँ की ओर देखे बिना आगे बढ़ गया।

वह अभी थोड़ी दूर गया होगा कि चौथी स्त्री का बेटा भी अचानक उधर से आ निकला। वह देखने में बहुत सीधा-सादा और सरल प्रवृति का लग रहा था। उसे देखकर चौथी स्त्री ने कहा, "बहन, यही मेरा बेटा है।" तभी उसका बेटा पास आ पहुँचा। अपनी माँ को देखकर रुक गया और बोला, "माँ लाओ मैं तुम्हारा घड़ा पहुँचा दूँ।" माँ ने मना किया, फिर भी उसने माँ के सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख लिया और घर की ओर चल पड़ा।

तीनों स्त्रियाँ बड़े ही आश्चर्य से देखती रहीं। एक वृद्ध महिला बहुत देर से उनकी बातें सुन रही थी। वह उनके पास आकर बोली, "देखती क्या हो ? यही सच्चा हीरा है।"

प्रश्न1 पहले तथा दूसरी स्त्री ने अपनी-अपने बेटे के विषय में क्या कहा? (2)

प्रश्न 2 तीसरी स्त्री ने अपने बेटे को 'बृहस्पति का अवतार' क्यों कहा ? (2)

प्रश्न 3 पहली स्त्री द्वारा पूछे जाने पर चौथी स्त्री ने क्या कहा ? (2)

प्रश्न 4 चौथी स्त्री के बेटे ने अपनी माँ के साथ कैसा व्यवहार किया, यह देखकर तीनों स्त्रियों को कैसा लगा? (2)

प्रश्न 5 बच्चों को अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए? समझाइए। (2)

प्रश्न4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। (8)

(i) 'कनिष्ठ' का विलोम बताइए।

(A) गरिष्ठ (B) बरिष्ठ (C) ज्येष्ठ (D) बड़ा

(ii)'कीर्ति' का उचित पर्यायवाची शब्द बताइए।

(A) चमक (B) विक्रम (C) बढ़ाई (D) ख्याति

(iii) 'कड़वा' से बनने वाली भाववाचक संज्ञा है-

(A) कड़ाई (B) कड़वाहट (C) कटुता (D) माधुर्य

(iv) 'एड़ी चोटी का जोर लगाना' मुहावरे का अर्थ बताइए।

(A) बहुत कष्ट भोगना (B) काम से जी चुराना

(C) बहुत मेहनत करना (D) पूरी कोशिश करना

(v) 'जुरिमाना' शब्द का शुद्ध रूप बताइए।

(A) जुरियाना (B) जुर्माना (C) जरमाना (D) जमाना

(vi) 'परिवार' शब्द से बना विशेषण शब्द है-

Downloaded From www.icsseboard.org

(A) सपरिवार (B) पारिवारिक (C) परिवारी (D) पारा

(vii) **निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए।**

रोहन का हर कार्य प्रशंसा करने योग्य है।

(रेखांकित वाक्यांश हेतु उपयुक्त शब्द का प्रयोग किस विकल्प में हुआ है।)

(A) रोहन का हर कार्य कथनीय है। (B) रोहन का हर कार्य निंदनीय है।

(C) रोहन का हर कार्य प्रशंसनीय है। (D) रोहन का हर कार्य करणीय है।

(vii) **निर्देशानुसार उचित विकल्प बताइए।**

विद्यालय में विलंब शुक्ल के साथ फीस जमा करने की तिथि बीत गई है।

(रेखांकित शब्द के स्थान पर उचित शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(A) काल (B) रुपये (C) शुल्क (D) राशि

SECTION B (साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ)

नोट:- किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 5 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भोला ने कहा, "इन्होंने मँगाई थी। कहते थे, इनसे पतंग तानकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।"

विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह गए। उन्होंने फटी हुई पतंग उठाकर देखी। उस पर चिपके हुए कागज़

पर लिखा हुआ था। **(काकी - सियारामशरण गुप्त)**

(i) भोला कौन था ? उसके अनुसार किसने पतंग मँगाई थी ? [2]

(ii) पतंग मँगाने का क्या कारण था ? स्पष्ट करें। [2]

(iii) विश्वेश्वर का परिचय देते हुए बताएँ कि उनके हतबुद्धि होकर खड़े रह जाने का क्या कारण था। [3]

(iv) यह कहानी बच्चों के स्वभाव की किन विशेषताओं को प्रकट करती है? उदाहरण सहित बताइए। (3)

प्रश्न 6 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

"मौसी हमें ऐसी तस्वीर नहीं, अच्छी-अच्छी तस्वीरें दिखाओ , राजा- रानी की , परियों की ।"

उस तस्वीर को अधिक देर तक देखना बच्चों के लिए असह्य हो उठा था ।

(दो कलाकार- मन्नू भंडारी)

(i) बच्चे इस समय कहाँ है ? इन बच्चों का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (2)

(ii) बच्चे किस तस्वीर को नहीं देखना चाहते थे और क्यों? (2)

(iii) अरुणा और चित्रा की मित्रता के विषय में अपने विचार लिखिए और यह भी बताइए कि उन

Downloaded From www.icseboard.org

दोनों के स्वभाव में क्या क्या अंतर था? (3)

(iv)'दो कलाकार' कहानी के शीर्षक की सार्थकता को सिद्ध कीजिए । (3)

प्रश्न7

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

"अब आप इन तीनों रंगीन प्राणियों को देखिए। आप इन्हें न पहचान पाए होंगे। ये सब इस लोक के जीव तो हैं नहीं। ये तो स्वर्ग के देवता है, जो हमें सदुपदेश देने के लिए पृथ्वी पर उतरे हैं।

(भेड़े और भेड़िए- हरिशंकर परसाई)

(i) तीन रंगीन प्राणी किन्हे कहा गया है और क्यों? (2)

(ii) बूढ़े सियार ने तीनों प्राणियों के संबंध में क्या कहा और ये कहाँ के देवता है? (2)

(iii) भेड़िए के समर्थन में किसने और क्या कहा? (3)

(iv) प्रस्तुत कहानी की प्रतीकात्मक पर प्रकाश डालिए। (3)

साहित्य सागर- पद्य भाग

प्रश्न8 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

'जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिए ताहि कोटि बैरी सम जद्पि परम सनेही।
तज्यो पिता प्रहलाद ,विभीषण बन्धु, भरत महतारी।
बलि गुरू तज्यो , कंत ब्रज बनिता हिन,भए- मुद मंगलकारी।। **(विनय के पद - तुलसीदास)**

(i) उक्त पंक्तियाँ किस भाषा में रचित हैं? पहली पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) इस पद्यांश में कवि ने क्या करने की सलाह दी है और क्यों? (2)

(iii) पद के आधार पर बताएँ कि किस- किसने किसे त्यागा था? (3)

(iv) महाकवि तुलसीदास जी का जीवन परिचय लिखिए। (3)

प्रश्न 9 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

व्यथित है मेरा हृदय प्रदेश,
चलूँ उसको बहलाऊँ आज।
बताकर अपना सुख-दुख उसे,
हृदय का भार हटाऊँ आज ।।
चलूँ माँ के पद पंकज पकड़,
नयन जल से नहलाऊँ आज।
मातृ-मन्दिर में मैंने कहा.....

Downloaded From www.icseboard.org

चलूँ दर्शन कर आऊँ आज ।।

(मातृ मन्दिर की ओर - श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान)

(i) 'व्यथित' शब्द का अर्थ लिखकर बताइए कि यहाँ किसका हृदय व्यथित है? (2)

(ii) कवयित्री अपना सुख-दुख किसके साथ साझा करना चाहती हैं और किस प्रकार ? (2)

(iii) कविता के आधार पर बताइए कि मातृ मन्दिर का मार्ग दुर्गम किस प्रकार है? उसे पार करने हेतु कवयित्री किससे सहायता की प्रार्थना करती हैं? (3)

(iv) कविता का मूल-भाव बताते हुए इसमें निहित सन्देश लिखिए। (3)

प्रश्न 10 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है।
चलना हमारा काम है ।
जीवन अपूर्ण लिए हुए , पाता कभी ,खोता कभी ,
आशा- निराशा से घिरा, हँसता कभी, रोता कभी।
गति मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है।

(चलना हमारा काम है- कवि शिवमंगलसिंहसुमन)

(i) 'राही' किसे कहा गया है और क्यों ? (2)

(ii) शब्दों के अर्थ लिखिए -गति, अवरुद्ध , राही, आठों- याम । (2)

(iii)'आठों याम 'से कवि का क्या अभिप्राय है? इस समय में कवि प्रभु से क्या प्रार्थना करते हैं और क्यों? (3)

(iv) कवि के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में किस- किस प्रकार के अनुभवों का सामना करना पड़ता है? (3)

Downloaded From www.icseboard.org